नेपाल की तर्ज पर थी विरोध की तैयारी, एंटी रैगिंग कमेटी की रिपोर्ट से खुलासा

- सीनियर छात्रों ने जूनियर्स पर डाला था आंदोलन का दबाव,
- नकली आईडी से सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल कराने की थी साजिश

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सीनियर छात्रों द्वारा नेपाल की तर्ज पर आंदोलन की तैयारी का खुलासा हुआ है. यूनिवर्सिटी की एंटी रैगिंग कमेटी की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि सीनियर्स ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों पर नकली ईमेल आईडी और ट्विटर अकाउंट बनाने, विशेष हैशटैग वायरल करने और सोशल मीडिया पर संदेश रीट्वीट करने का दबाव बनाया. विरोध करने

पर उन्हें बैच आउट करने की धमकी भी दी गई थी.

एंटी रैगिंग कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, अमन पटेल पिता अशोक पटेल, आदर्श मकवाना पिता राधेश्याम मकवाना, आदित्य शर्मा पिता राजीव शर्मा, अनुज पटेल पिता अशोक पटेल और उमंग अग्रवाल पिता दिनेश अग्रवाल की भूमिका सामने आई है. समिति ने इन छात्रों पर बीएनएस की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है. वहीं रिपोर्ट में बताया गया कि सीनियर छात्र अमन पटेल के कहने पर प्रथम वर्ष के विवेक शर्मा ने अन्य छात्रों के फोन से व्हाट्सएप संदेश डिलीट कराए. वहीं उमंग अग्रवाल द्वारा बनाए गए सीनियर इंट्रोडक्शन नामक व्हाट्सएप ग्रुप पर आंदोलन से जुड़े निर्देश साझा किए गए. जांच में यह भी सामने आया कि शिवसागर रेस्टोरेंट में सीनियर और जूनियर छात्रों की बैठक हुई थी, जहां हॉस्टल नियमों की आड़ में दबाव बनाया. इस दौरान सीसीटीवी कैमरे तोड़ने और डीवीआर गायब करने की बातें भी हुईं. वहीं मामले में एबीवीपी मालवा प्रांत के सोशल मीडिया संयोजक सार्थक जैन का कहना है कि अमन पटेल पहले डीएवीवी कार्यकारिणी में सह मंत्री रह चुका है. हालांकि, नगर अध्यक्ष प्रो. केके धाकड़ ने स्पष्ट किया कि उसका व्यवहार ठीक नहीं होने के कारण उसे दो वर्ष पहले ही परिषद से हटा दिया था. वर्तमान में उसकी कोई भूमिका नहीं है.

आवेदन जांच में लिया-दंडोतिया-मामले में एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का कहना है कि आईईटी विभाग के अफसर ने आवेदन दिया है, जिसमें पांच छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई है. आवेदन को जांच में लिया है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी: कुलपति

कुलपति प्रो. राकेश सिंघई का कहना है कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस से शिकायत की गई है, अभी नामजद शिकायत नहीं दी गई है, पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी. उन्होंने कहा कि पहले भी कुछ सीनियर छात्रों को हॉस्टल से निकालने, सेमेस्टर से बाहर करने और आर्थिक दंड देने की कार्रवाई हुई थी. संभवत: उसी का बदला लेने के लिए इस तरह की प्लानिंग की गई.

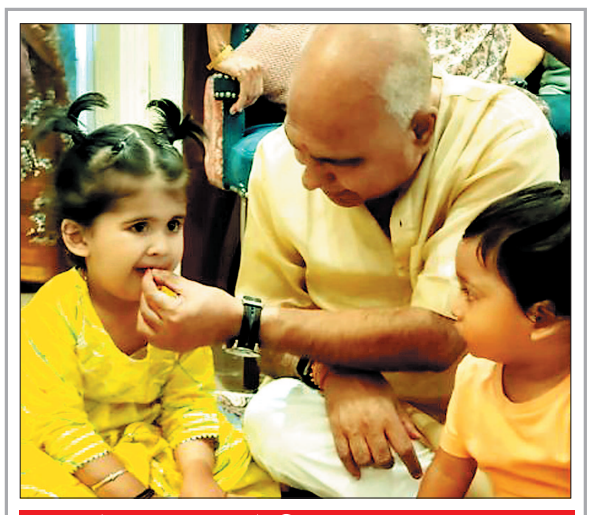

प्रदेश अध्यक्ष ने किया कन्या पूजन

बैतूल. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को बैतूल में नवरात्रि में महाअष्टमी के पावन अवसर पर परिवार सहित कुलदेवी का पूजन-अर्चन किया एवं देवी स्वरूपा कन्या पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया.

आई लव महाकाल, आय लव मोहम्मद ट्रेंड में नया मोड़

- तख्तियां हाथ में लेकर उज्जैन की सड़कों पर उतरीं महिलाएं
- कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने किया प्रदर्शन
- आई लव भारत और आई लव संविधान के नारे लगे

नवभारत न्यूज

उज्जैन. मंगलवार को शहर में आई लव मोहम्मद और आई लव महाकाल का जो पोस्टर वार सोशल मीडिया पर चल रहा था, उसमें अब नया मोड़ आ गया और महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर सड़कों पर उतरी व टॉवर चौक पर प्रदर्शन किया.

धर्म संबंधी पोस्टरों को लेकर चल रहे विवाद के बीच, कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने एक बार फिर इस मुद्दे पर अपनी बात रखी और एक अनूठा प्रदर्शन किया. उन्होंने अपनी आस्था

और सद्भाव का संदेश देने के लिए हाथों में ऐसी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया, जिन पर आई लव मोहम्मद के साथ-साथ आई लव महाकाल भी लिखा था.

सद्भावना का संदेश -यह प्रदर्शन तब हुआ जब आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाए जाने के बाद शहर में तनाव बढ़ गया था और इसके विरोध में कुछ स्थानों पर आई लव महाकाल के बैनर लगाए गए थे. इस माहौल में, कांग्रेस नेत्री नूरी खान को अपनी बात को मजबूती से सामने रखने के लिए सड़क पर उतना पड़ा. नूरी खान ने बताया कि यह प्रदर्शन देश प्रदेश और शहर में सद्भावनाओं के लिए वे कर रही है.

अन्य धर्म की महिलाएं शामिल- आई लव मोहम्मद का पोस्टर हाथ में लेकर टॉवर चौक पर नारेबाजी कर रही कांग्रेस नृत्य नूरी खान के साथ कुछ अन्य महिलाएं भी थीं, जिनके हाथों में विभिन्न संदेशों वाली तख्तियां थीं।प्रदर्शन के दौरान, इन लोगों के हाथों में जो तख्तियां थीं, उनमें आई लव मोहम्मद और आई लव महाकाल के अलावा आई लव इस्लाम, आई लव भारत और आई लव संविधान जैसे नारे भी लिखे हुए थे.

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना-नवभारत से बात करते हुए नूरी खान ने कहा कि कुछ लोग देश में नफरत फैलाना चाहते हैं और लोगों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने साफ किया कि भारतीय संविधान हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने और अपने विश्वास को व्यक्त करने की पूरी आजादी देता है. वैसे भी मजहब कभी नहीं सिखाता की आपस में बैर रखो लड़ाई झगड़ा करो और धर्म के नाम पर विवाद करो.

इसमें आपत्तिजनक क्या है

नूरी खान ने यह सवाल उठाया कि आई लव मोहम्मद कहने में आपत्तिजनक क्या है? उन्होंने स्पष्ट किया, यह बाबा महाकाल की नगरी है, जहां सभी धर्मों के लोग सदियों से मिलजुल कर रहते आए हैं. हर व्यक्ति को अपने धर्म के प्रति प्रेम व्यक्त करने का अधिकार है. जैसे कोई आई लव महाकाल कहता है, ठीक वैसे ही मैं भी आई लव मोहम्मद डंके की चोट पर कहूंगी. उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रदर्शन का उद्देश्य उन लोगों को एक बड़ा संदेश देना है जो धार्मिक भावनाओं को भड़काकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं.

कई जिलों में आज से बदल सकता है मौसम

भोपाल,30 सितम्बर. प्रदेशभर में मौसम विभाग का कहना कि आज कई राज्यों में बारिश की संभावना जताई गई है.में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा सक्रिय हो चुकी है.

यह रेखा 20ए उत्तर/69ए पूर्व, वेरावल, भरूच, उज्जैन, झाँसी, शाहजहाँपुर और 30ए उत्तर/81ए पूर्व से होकर गुजर रही है. इसका मतलब है कि प्रदेश में मानसून धीरे-धीरे विदाई की ओर है, लेकिन कुछ जिलों में अभी भी बारिश का असर जारी रहेगा. मौसम विभाग ने जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है, उनमें रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच शामिल हैं. वहीं भोपाल, विदिशा, राजगढ़, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकला, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा जिलों में हल्की बूंदाबांदी या गरज-चमक के साथ बारिश संभव है. साथ ही, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, सिवनी, मंडला, बालाघाट जिलों में भी बारिश के संकेत हैं.

पेज एक का शेष

12 जिलों के कलेक्टर बदले

अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नई पदस्थापना
सुरेश कुमार :	कलेक्टर पन्ना	ओएसडी सह आयुक्त चंबल संभाग मुरैना
शीलेन्द्र सिंह :	कलेक्टर छिंदवाड़ा	अपर सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास
नेहा मारव्या :	कलेक्टर डिंडोरी	संचालक विमुक्त घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु जनजाति भोपाल
संजीव श्रीवास्तव :	कलेक्टर भिंड	अपर सचिव लोक निर्माण विभाग
उषा परमार :	अपर आयुक्त राजस्व भोपाल	कलेक्टर पन्ना
शिवराजसिंह वर्मा :	अपर सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग	अपर आयुक्त राजस्व भोपाल संभाग
राजेश बाथम :	कलेक्टर रतलाम	अपर सचिव वन विभाग
रजनी सिंह :	ओएसडी सह श्रम आयुक्त मप्र इंदौर	कलेक्टर नरसिंहपुर
नीरज कुमार वशिष्ठ :	संचालक विमुक्त घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु जनजाति भोपाल	कलेक्टर पांढुर्णा
शीतला पटले :	कलेक्टर नरसिंहपुर	कलेक्टर सिवनी
अंकित अस्थाना :	कलेक्टर मुरैना	उप सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग
लोकेश कुमार जांगिड़ :	कलेक्टर निवाड़ी	कलेक्टर मुरैना
चन्द्रशेखर शुक्ला :	कलेक्टर सिंगरौली	उप सचिव राजस्व विभाग
डॉ. अभय अरविंद बेडेकर :	कलेक्टर अलीराजपुर	अपर प्रबंध संचालक मप्र पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल
अजय देव शर्मा :	कलेक्टर पांढुर्णा	उप सचिव राजस्व विभाग
नीतू माथुर :	अपर आयुक्त राजस्व रीवा	कलेक्टर अलीराजपुर
अंजू पवन भदौरिया :	सीईओ जिला रायसेन	कलेक्टर डिंडोरी
जमुना भिडे :	सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन भोपाल	कलेक्टर निवाड़ी
संस्कृति जैन :	कलेक्टर सिवनी	आयुक्त नपानि भोपाल
बिदिशा मुखर्जी :	अपर प्रबंध संचालक मप्र पर्यटन विकास बोर्ड भोपाल	उप सचिव पीएचई विभाग
किरोड़ी लाल मीना :	अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल	कलेक्टर भिंड
गौरव बैनल :	अपर कलेक्टर इंदौर	कलेक्टर सिंगरौली
हरेन्द्र नारायण :	आयुक्त नपानि भोपाल	कलेक्टर छिंदवाड़ा
सुश्री मिशा सिंह :	अपर कलेक्टर जबलपुर	कलेक्टर रतलाम

वांगचुक की गिरफ्तारी पर उठाए सवाल

भोपाल,30 सितम्बर. लद्दाख हिंसा के बाद पर्यावरणविद और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कड़ी आपत्ति जताई है.

उन्होंने वांगचुक को गांधीवादी और अद्भुत व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनके साथ किया जा रहा व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है. राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा,मैं सोनम वांगचुक को लंबे समय से जानता हूं. हाल ही में संसद की स्थायी समिति के दौरे में हमने उनके संस्थानों का निरीक्षण किया. वह एक शिक्षाविद, पर्यावरणविद, कार्यकर्ता और गांधीवादी हैं. ऐसे व्यक्तित्व के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह निंदनीय है.

एनएसए के तहत गिरफ्तारी

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था. वह इस समय राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं. वांगचुक लंबे समय से

लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश से पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय सुरक्षा की मांग कर रहे थे. दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सोनम वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाना घोर आपत्तिजनक है. कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है. गौरतलब है कि 24 सितंबर को लद्दाख में हुई हिंसा में चार लोगों की मौत और 80 से अधिक लोग घायल हुए थे.

पुलिस का आरोप है कि वांगचुक के भाषणों ने प्रदर्शनकारियों को उग्र किया, जिससे हालात बिगड़े.

नागर विमानन मंत्रालय
भारत सरकार
राजीव गांधी भवन, नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ऐरा) के सदस्य पद हेतु विज्ञापन ।

नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, ऐरा, हवाईअड्डों पर प्रदान की जाने वाली वैमानिक सेवाओं के लिए टैरिफ और अन्य प्रभारों को विनियमित करने वाले प्राधिकरण, में सदस्य के पद के चयन के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

2. आवेदन के निर्धारित फॉर्मेट (प्रारूप) के साथ-साथ आयु-सीमा, अनिवार्य योग्यता और अनुभव आदि का ब्यौरा नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट www.civilaviation.gov.in पर उपलब्ध है। यह ब्यौरा ऐरा की वेबसाइट [www.aera.gov.in] से भी प्राप्त किया जा सकता है।

3. पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति निर्धारित फॉर्मेट में अपने आवेदन दिनांक 28.10. 2025 तक भेज दें।

संयुक्त सचिव

CBC03112/12/0009/2526

BAJAJ FINSERV

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: मुंबई–पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे–411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार–बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें (''टी एण्ड सी'') वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?W0UB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी / आरटीजीएस / बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक / नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित / निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे – gold.auction@bajajfinserv.in

(10-11-25) भोपाल–इमामी गेट रोड; PF46G0L13637660, 13679832, 13680524, 13808136.भोपाल - इंद्रपुरी; PF49G0L13610659. भोपाल - करोड़; PJD2G0L13646990, 13826189. (11-11-25): बीना – इटावा स्टेशन रोड; PCA6G0L13406450. डाबरा - मैन रोड; PKH4G0L13508817, 13619133, 13780581. दतिया – सीता सागर; P34EG0L13759585, 13779024. गाडरवारा इंद्रा वार्ड; PKA3G0L13460249. (12-11-25) गंज बसौदा - मैन रोड़; P02WG0L13473523, 13619882, 13818864. गुना – ए बी रोड; PEH2G0L13579827, 13810744. ग्वालियर सिटी सेन्टर; PCA7G0L13405911, 13463676, 13626051, 13623101, 13628112. (13-11-25) ग्वालियर गोले का मंदिर; PJD1G0L13409243, 13495433, 13489767, 13506305, 13607372, 13606713, 13605470, 13628653, 13619540, 13640820, 13642025, 13713910, 13763859, 13776299, 13799340, 13823386. ग्वालियर - नया बाजार; PF25G0L13529774, 13588401, 13606017, 13741127. ग्वालियर विनय नगर; PEF2G0L13479912, 13560691, 13583414, 13645526, 13660957, 13761129. होशंगाबाद मीनाक्षी चौक; PCA9G0L13478303, 13478910, 13588594, 13588198, 13639757, 13681319, 13718231, 13760185, 13808067, 13823434. (14-11-25): इंदौर अन्नपूर्णा रोड; PER2G0L13806048. इंदौर विजय नगर; PGJ9G0L13638213, 13655574, 13675227, 13719916, 13742347, 13758207. इटारसी - सराफा बाजार; P03WG0L13494277, 13681502, 13715953, 13716768, 13764933. (17-11-25) जबलपुर–दीनदयाल चौक; PEH4G0L13624546, 13697468, 13808201, 13824595. जबलपुर - राइट टाउन; PG03G0L13434320, 13425924, 13462909, 13460643, 13508152, 13742854, 13804277. मुरैना–शिवनगर; PJC8G0L13534274, 13609988, 13625374, 13662423, 13699473, 13704330, 13714914, 13744717, 13781283, 13823751. पोरसा - BGL; P14PG0L13533641, 13565902. (18-11-25) रीवा - BGL; P4A7G0L13461302, 13463661, 13512264, 13532017, 13547744, 13717563, 13746008, 13746040, 13809381, 13825073. सागर पारकोटा; PLL1G0L13665584. सतना रीवा रोड; PCP2G0L13550405, 13643689. (19-11-25) शहडोल- BGL; P6E0G0L13407447, 13576503. श्योपुर शिवपुरी रोड; PLC3G0L13592495, 13642707, 13803629. शिवपुरी – एबी रोड; PEH3G0L13443037, 13512212, 13642005, 13643555, 13824024.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

एक नजर में

अधिकारी जनप्रतिनिधी जब दोनों ही खामोश, कैसे होगा जनता की समस्या का समाधान

209 करोड़ की सड़क मात्र 6 माह में गड्ढों में तब्दील

बी.एल.जैन

रूपये 209 करोड़ की लागत से निर्मित 8.8 किमी सड़क मात्र 6 माह में गड्ढों में तब्दील, परिणाम दुर्घटनाओं में लोगो के जान की बली, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी मौन, केन्दीय मंत्री नितिन गडकरी की घोषणाओं पर प्रश्न चिन्ह? प्रधानमंत्रीजी की विकास वाली मंशा पर अधिकारी भारी? आम जनता परेशान, केन्द्र शासन की छवि धुमिल. क्या आम जनता की समस्या का निराकरण होगा?

ये सारे प्रश्न राष्ट्रीय राजमार्ग क्रं. 03 के म.प्र. स्थित राऊ-खलघाट सेक्शन के मध्य बाकानेर घाट सेक्शन में 209 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित 8.8 कि.मी. मार्ग के निर्माण में हुई गंभीर किस्म की अनियमिताओं को लेकर उत्पन्न हुए हैं. ज्ञात रहे उक्त 77 किमी हिस्से पर बीओटी योजनांतर्गत फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य किया जाकर अगस्त 2009 से टोल की वसूली प्रारंभ की गई है. इस मार्ग पर भेरूघाट एवं बाकानेर घाट का लगभग 9 किमी. का हिस्से का जब निर्माण किया गया तो तकनीकी खामी के कारण गणेशघाट की ग्रेडियन्ट (ढलान) 6 मीटर रखी गई अर्थात् 100 मीटर की सड़क पर 6 मीटर की ढलान है वो बहुत ज्यादा होने के कारण वाहनों के ब्रेक

यहां आकर फेल हो जाते है एवं ब्रेक आपस में चिपक जाते है तथा क्लच प्लेट भी खराब हो जाती है इस कारण अगस्त 2009 से 2024 तक 3000 से अधिक दुर्घटनाओं में 450 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है एवं सैकड़ो व्यक्ति दुर्घटना में अपने अंग भंग करवा चुके हैं.

लगातार दुर्घटनाओं में जनहानि एवं जन शिकायतों को देखते हुए एनएचएआई द्वारा इंदौर से मुम्बई जाने वाले मार्ग पर वैकल्पिक रूप से बाकानेर घाट के साईड वाले हिस्से में 8.8 किमी. हिस्से में नई सड़क का निर्माण किया गया है जिसकी चौड़ाई 30 मीटर है. निर्माण कार्य घटिया किस्म का होने के कारण मात्र 6 माह बाद ही यह सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिसका खामियाजा आये दिन इस मार्ग से यात्रा करने वाले वाहन चालक एवं यात्री भुगत रहे है. यह प्रोजेक्ट हरियाणा की कम्पनी द्वारा जून 2023 में प्रारम्भ किया गया एवं 30 नवम्बर 2024 में यह मार्ग आवागमन के लिये प्रारम्भ कर दिया गया. 8.8 किमी. सड़क का जो निर्माण कार्य किया गया है वह इतना घटिया किस्म का है कि पहली बारिश में ही कुल 6 इंच बारिश भी नहीं हुई थी कि इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गये, सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई परिणाम स्वरूप यहां दुर्घटनाए घटित होने लगी. 15 सितम्बर को रात्रि में गड्ढो को बचाने के चक्कर मे एक कार अनियंत्रित हो जाने के कारण आगे चल रहे डम्पर से टकरा गई जिसमे खरगोन के अयान की 24 वर्ष आयु में मौत हो गई. इसके पूर्व भी ऐसे हादसे इस हिस्से में हो चुके है. दिल को दहला देने वाली घटनाओं के बाद भी निर्माण कार्य करने वाली कम्पनी एवं विभागीय अधिकारियों की चेतना/ संवेदना जागृत नहीं हुई. समय-समय पर दिखावे के लिये सांकेतिक पेचवर्क कर दिया गया है लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की गई. परिणाम जनहानि है? क्या ऐसे अधिकारी जो आम जनता की मौत के जिम्मेदार हो उनके खिलाफ हत्या के प्रयास के मुकदमे दर्ज नहीं होना चाहिये?

प्रतिदिन इस मार्ग से लगभग 18 हजार से अधिक वाहन गुजरते है जो टोल भी चुकाते है. मालवा क्षेत्र से केन्द्रीय एवं राज्य केबिनेट में मंत्री, सांसद, विधायक एवं कांग्रेस से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, अनेक विधायक भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते है लेकिन जनता के चुने हुए नुमाइंदे भी खामोश है. अधिकारी एवं जनप्रतिनिधी जब दोनों ही खामोश हो जायेगें तो आम जनता कहां जाकर दस्तक दे यह विचारणीय प्रश्न है? ऐसी स्थिति में इस गंभीर मामले की जांच सीबीआई अथवा म.प्र. के बाहर के उच्च अधिकारियों से करवकर जिम्मेदार अधिकारियों एवं निर्माता कम्पनी के विरूद्ध कठोर कार्रवाई होना चाहिये।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता है)

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60